This question paper contains 4+2 printed pages]

**3542**

# B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

## PRAKRIT

## Paper II

(प्रतिनिधि प्राकृत गद्य पाठ एवं व्याकरण)

**Time allowed : Three Hours**

**Maximum Marks : 100**

**Part A (खण्ड 'अ')** [Marks : 20]

*Answer **all** questions (**50** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पचास** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

**Part B (खण्ड 'ब')** [Marks : 50]

*Answer **five** questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*

***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

## Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]

*Answer any **two** questions (**300** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

## Part A (खण्ड 'अ')

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द सीमा में दीजिए :

   (*i*) किसिकम्माइं शब्द की व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए।

   (*ii*) सिप्पी कोक्कास कथा किस ग्रन्थ से उद्धृत है ? उसके लेखक एवं उसका रचनाकाल क्या है ? लिखिए।

   (*iii*) अग्निशर्मा के गुणसेन के प्रति क्या विचार बने ?

   (*iv*) कुवलयमालाकहा के रचनाकार कौन हैं ? उन्होंने किस नगर में इसकी रचना की ?

   (*v*) चन्दनबाला कथा कब और किसके द्वारा लिखी गई ?

   (*vi*) चन्दनमुनि द्वारा रचित प्राकृत कृति का नामोल्लेख करके साधु शब्द को परिभाषित कीजिए।

   (*vii*) जैनधर्म में मान्य अणुव्रत के भेदों को नाम सहित लिखकर चातुर्याम के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

(*viii*) प्राकृत गद्य साहित्य का प्रारम्भ काल कब से है ? किन्हीं **तीन** प्राकृत कृतियों के नाम लिखिए।

(*ix*) "भिसो हि हिँ हिं" इस सूत्र का अर्थ लिखिए।

(*x*) चल एवं हस क्रियाओं का वर्तमान अथवा भविष्यत्काल में वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

## Part B (खण्ड 'ब')

### Unit I (इकाई I)

2. विद्यायुक्त घड़े की विशेषताएँ लिखकर बताइए कि ग्रामीण ने देवमंदिर में किसे देखा ?

3. कपोत यंत्र के निर्माता कौन थे ? उसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

### Unit II (इकाई II)

4. निम्नांकित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सव्वपुव्वकयाणं कम्माणं पावए फलविवागं।

अवराहेसु गणेसु य निमित्तमेत्तं परो होइ॥

5. निम्नांकित गद्यांश की सानुवाद व्याख्या कीजिए :

चिंतियं च मायाइच्चेण—"अहो इभाइं दस रयणाइं, ता एत्थ मह पंच। जइ पुण एयं कहिंचि वंचेज्ज ता दस वि महं चेव हवेज्ज त्ति चिंतियंतस्स बुद्धी समुप्पण्णा दे घेतूण पलायामि। अहवा ण महंती वेला गयस्स, संपयं पावइति।

## Unit III (इकाई III)

6. "चन्दनबाला कथा धर्म से प्रेरित कथा है।" इस वाक्य की सार्थकता में अपने विचार लिखकर चन्दनबाला कथानक का मूलभाव लिखिए।

7. साधु-जीवन की प्रमुख चर्या पर एक निबन्ध लिखिए।

## Unit IV (इकाई IV)

8. "जैन" शब्द को परिभाषित करते हुए अहिंसा विषयक जैनदृष्टि पर प्रकाश डालिए।

9. निम्नांकित किसी **एक** पर समीक्षात्मक परिचय दीजिए :

   (1) उत्तराध्ययनसूत्र टीका

   (2) रयणबालकहा

   (3) कुवलयमालकहा।

## Unit V (इकाई V)

10. निम्नांकित सूत्रों की व्याख्या कीजिए (कोई **दो**) :

   (*i*) अमोस्य

   (*ii*) ङस: स्स:

   (*iii*) डे म्मि डे:

   (*iv*) ङसेस् त्तो-दो-दु-हि-हिन्तो लुक:।

11. निम्नांकित किन्हीं **तीन** के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(*i*) सो पइदिणं रायेण संलावं करिऊण भुंजिहिइ।

(हिंदी में अनुवाद कीजिए)

(*ii*) ते देवस्स अच्चिऊण गिहं पविसन्ति।

(हिंदी में अनुवाद कीजिए)

(*iii*) मुनि आज भोजन करने के लिए कहते हैं।

(प्राकृत में अनुवाद कीजिए)

(*iv*) हम सभी बार-बार घूमकर देव की पूजा करते हैं।

(हिंदी में अनुवाद कीजिए)

## Part C (खण्ड 'स')

### Unit I (इकाई I)

12. ''विद्या रहित व्यक्ति का सब कुछ नष्ट हो जाता है।'' इस वाक्य की पुष्टि ''विज्जा विहीणो नस्सइ'' पाठ के आधार पर कीजिए।

### Unit II (इकाइं II)

13. हरिभद्रसूरि का परिचय देते हुए गुणसेन के प्रति बाँधे गये निदान की व्याख्या पाठ्य के आधार पर कीजिए।

## Unit III (इकाई III)

14. ''साधु जीवन परीषहजयी है'' इसकी सिद्धि साहु-जीवणं पाठ के आधार पर करते हुए चन्दनमुनि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

## Unit IV (इकाई IV)

15. जैनधर्म के उद्‌भव व विकास पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रमुख शिक्षाओं को बिन्दुवार लिखिए।

## Unit V (इकाई V)

16. कारक किसे कहते हैं ? सोदाहरण लिखकर प्राकृत की शब्दरूप विषयक प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।